Name :- Soni Kumari
Class :- B.A III year
Deptt :- Sanskrit

समास

चतुर्थी तदर्थार्थ बलि हित सुख रक्षितैः

प्रस्तुत सूत्र समास प्रकरण के तत्पुरुष समास का एक विधि सूत्र है। सूत्र के अर्थ की स्पष्टीकरण के लिए 'प्राक्कडारात्समास', सह सुपा और तत्पुरुष की अनुवृत्ति की जाती है। 'प्रत्ययग्रहणे तदन्तग्रहणम्' इस परिभाषा से सूत्रस्थ 'चतुर्थी' से चतुर्थ्यन्त का बोध होता है। इस प्रकार सूत्र का अर्थ होगा — चतुर्थ्यन्त के अर्थ के निमित्त जो वस्तु हो, उसके वाचक शब्द के साथ एवम् अर्थ (के लिए), बलि (पूजा), हित, सुख और रक्षित - इन पदों के साथ चतुर्थ्यन्त पद का तत्पुरुष समास होता है।

उदा० - यूपाय दारु (यज्ञ स्तम्भ के लिए लकड़ी) इस लौकिक विग्रह में दारु (लकड़ी) चतुर्थ्यन्त यूप के लिए है। इसलिए तदर्थ होने के कारण प्रकृत सूत्र से समास एवं प्रातिपदिकादि कार्य होने पर 'यूपदारु' पद बनेगा।